Why AI Can’t Replace Your Judgement as a pharmacist

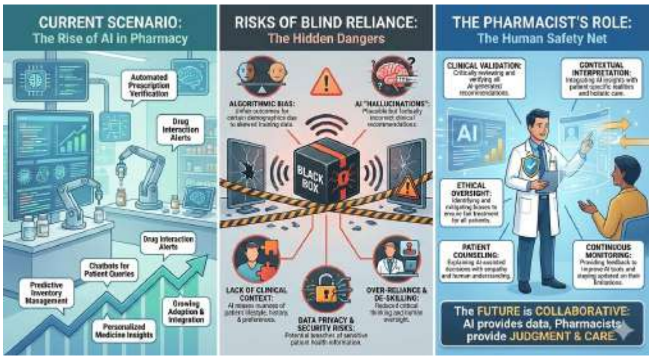

The "Confident Liar" in the Pharmacy

We’ve all seen the headlines: AI is changing how we work. It can sort data in seconds and answer questions instantly. It feels like having a super-powered assistant.

But there is a major catch that every pharmacist needs to understand before they hit "approve" on an AI suggestion.

What is an AI "Hallucination"?

In plain English, a hallucination is when an AI confidently makes things up**.** Because AI tools (like chatbots) are designed to be helpful and conversational, they don't like saying "I don't know." Instead, they might:

- Invent a drug interaction that doesn't exist.
- Suggest a dosage that is dangerously high.
- Reference a medical study that was never actually written.

The scariest part? **The AI will sound completely sure of itself.** It doesn’t "know" it’s lying; it’s just predicting the next most likely word in a sentence.

Why Chatbots Aren't Pharmacists

Using a chatbot to suggest a medication or make a clinical decision is like asking a very well-read parrot for advice. It can repeat what it has "read," but it doesn't understand the consequences.

- **No Common Sense:** AI doesn't know that a patient looks frail or sounds confused on the phone.
- **Missing the Big Picture:** A chatbot might see a "standard" dose but won't know that *this* specific patient has a unique lifestyle or a history that makes that dose a bad idea.
- **Old Data:** AI is often trained on information that is a year or two old. It might miss the very latest safety recalls or new drug warnings.

The Human Advantage: Your Judgment

This is why you are the most important part of the process. An AI can provide data, but only a pharmacist can provide judgment**.**

When you look at an AI-generated suggestion, ask yourself:

1. **Does this sound right based on my years of training?**
2. **Is the AI "hallucinating" or is there a real reason for this alert?**
3. **Does this fit the human being standing in front of me?**

Think of AI as a high-speed library, not a coworker. Use it to find information quickly, but **never** let it have the final say on a patient's health. Your "gut feeling" is backed by years of education and human empathy, two things a computer will never have.

Stay observant and keep your patients safe.

The information provided by MSPC's Drug Information Centre is for consultation purposes only. It is not a substitute for personalized medical or legal advice. Any treatments or procedures mentioned are informational resources for healthcare professionals and should be considered in light of specific circumstances and medical guidelines. Use this information is at your discretion. While every effort is made to ensure accuracy, Maharashtra State Pharmacy Counci's Drug information Centre is not responsible for any recommendations or errors. The center is not liable for any damages resulting from the use of this information. In case of any discrepancy across newsl

एक फार्मासिस्ट के रूप में **AI** आपके विवेक **(Judgement)** की जगह क्यों नहीं ले सकता

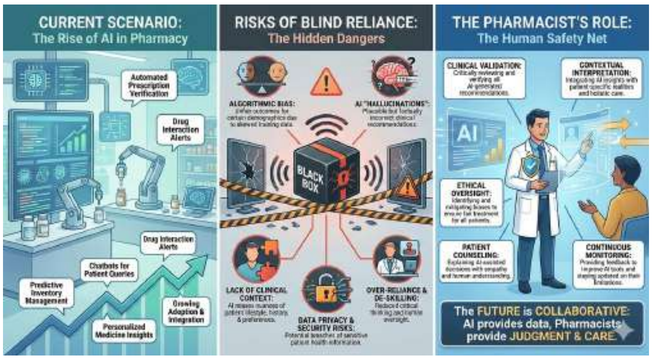

फार्मेसी में एक **'**आत्मविश्वासी झूठ बोलने वाला**'**

हम सभी ने खबरें देखी हैं: AI हमारे काम करने का तरीका बदल रहा है। यह सेकंडों में डेटा को व्यवस्थित कर सकता है और तुरंत सवालों के जवाब दे सकता है। इसे इस्तेमाल करना ऐसा लगता है जैसे हमें कोई 'सुपर-पावर्ड असिस्टेंट' मिल गया हो। लेकिन एक बहुत बड़ी समस्या (Catch) है जिसे हर फार्मासिस्ट को AI के किसी भी सुझाव को "मंजूर" करने से पहले समझना चाहिए।

AI "हैलुसिनेशन**" (Hallucination)** क्या है**?**

आसान भाषा में कहें तो, 'हैलुसिनेशन' तब होता है जब AI पूरे आत्मविश्वास के साथ गलत जानकारी गढ़ता है। चूंकि AI टूल (जैसे चैटबॉट) मददगार होने के लिए बनाए गए हैं, वे "मुझे नहीं पता" कहना पसंद नहीं करते। इसके बजाय, वे ये कर सकते हैं:

- ऐसी दवा प्रतिक्रियाओं (Drug Interactions) का आविष्कार करना जो असल में होती ही नहीं।
- दवा की ऐसी खुराक (Dosage) का सुझाव देना जो जानलेवा साबित हो सकती है।
- किसी ऐसे मेडिकल शोध का संदर्भ देना जो कभी लिखा ही नहीं गया।

सबसे डरावना हिस्सा क्या है? AI अपनी बात कहते समय पूरी तरह से आश्वस्त लगेगा। वह यह नहीं "जानता" कि वह झूठ बोल रहा है; वह बस एक वाक्य में अगले सबसे संभावित शब्द का अनुमान लगा रहा होता है।

चैटबॉट्स **'**फार्मासिस्ट**'** क्यों नहीं हैं**?**

दवा का सुझाव देने या कोई चिकित्सीय निर्णय लेने के लिए चैटबॉट का उपयोग करना एक **"**बहुत पढ़े**-**लिखे तोते**"** से सलाह लेने जैसा है। वह वही दोहरा सकता है जो उसने "पढ़ा" है, लेकिन वह उसके परिणामों को नहीं समझता।

- व्यावहारिक समझ **(Common Sense)** की कमी**:** AI यह नहीं देख सकता कि मरीज कितना कमजोर दिख रहा है या फोन पर बातचीत में कितना भ्रमित लग रहा है।
- पूरी स्थिति को न समझ पाना**:** एक चैटबॉट केवल एक "मानक" खुराक देख सकता है, लेकिन उसे यह पता नहीं होगा कि सामने वाले मरीज की जीवनशैली या मेडिकल इतिहास उस खुराक को उसके लिए गलत बना सकता है।
- पुराना डेटा**:** AI को अक्सर ऐसी जानकारी पर प्रशिक्षित किया जाता है जो एक-दो साल पुरानी हो सकती है। यह दवाओं की नई चेतावनियों या हाल ही में बाजार से हटाई गई दवाओं (Safety Recalls) की जानकारी चूक सकता है।

मानवीय लाभ: आपका विवेक **(Judgement)**

यही कारण है कि आप इस पूरी प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। AI केवल 'डेटा' दे सकता है, लेकिन केवल एक फार्मासिस्ट ही **'**विवेक**' (Judgement)** का उपयोग कर सकता है। जब भी आप AI द्वारा दिया गया कोई सुझाव देखें, तो खुद से ये सवाल पूछें:

1. क्या मेरे वर्षों के प्रशिक्षण और अनुभव के आधार पर यह सही लगता है?
2. क्या AI "भ्रमित" (Hallucinating) है या इस चेतावनी का कोई वास्तविक कारण है?
3. क्या यह सुझाव मेरे सामने खड़े इस विशिष्ट व्यक्ति के लिए सही है?

AI को एक **"**हाई**-**स्पीड लाइब्रेरी**"** की तरह समझें, किसी सहकर्मी की तरह नहीं। जानकारी जल्दी खोजने के लिए इसका उपयोग जरूर करें, लेकिन किसी मरीज के स्वास्थ्य पर अंतिम फैसला कभी भी मशीन को न लेने दें। आपकी "अंतरात्मा की आवाज" (Gut Feeling) के पीछे वर्षों की शिक्षा और मानवीय सहानुभूति है—ये दो चीजें कंप्यूटर के पास कभी नहीं होंगी।

सतर्क रहें और अपने मरीजों को सुरक्षित रखें।

The information provided by MSPC's Drug Information Centre is for consultation purposes only. It is not a substitute for personalized medical or legal advice. Any treatments or procedures mentioned are informational resources for healthcare professionals and should be considered in light of specific circumstances and medical guidelines. Use this information is at your discretion. While every effort is made to ensure accuracy, Maharashtra State Pharmacy Counci's Drug information Centre is not responsible for any recommendations or errors. The center is not liable for any damages resulting from the use of this information. In case of any discrepancy across newsl

फार्मासिस्ट म्हणून तुमचा 'विवेक' (Judgment) AI का बदलू शकत नाही?

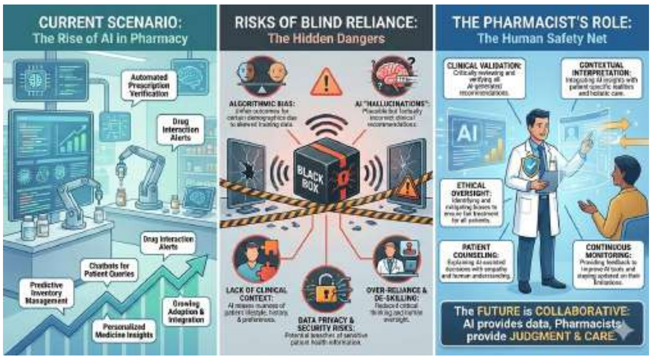

फार्मसीमधील एक 'आत्मविश्वासी लबाड'

आपण सर्वजण बातम्या वाचतोय की AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) आपल्या कामाची पद्धत कशी बदलत आहे. ते काही सेकंदात डेटाची वर्गवारी करू शकते आणि प्रश्नांची उत्तरे देऊ शकते. हे एखाद्या 'सुपर-पावर्ड असिस्टंट' असल्यासारखे वाटते. पण कोणताही AI चा सल्ला मान्य (Approve) करण्यापूर्वी, प्रत्येक फार्मासिस्टने एक महत्त्वाची गोष्ट समजून घेणे आवश्यक आहे.

AI 'हॅलुसिनेशन' (Hallucination) म्हणजे काय?

सोप्या भाषेत सांगायचे तर, 'हॅलुसिनेशन' म्हणजे जेव्हा AI अत्यंत आत्मविश्वासाने चुकीची माहिती स्वतःच तयार करते. AI टूल्स (उदा. चॅटबॉट्स) हे मदतीसाठी आणि संभाषणासाठी बनवलेले असतात, त्यामुळे त्यांना "मला माहीत नाही" असे म्हणायला आवडत नाही. त्याऐवजी ते:

- अस्तित्वात नसलेल्या औषधांमधील रिॲक्शन्स (Interactions) रचू शकतात.
- धोकादायक ठरू शकेल इतका जास्त डोस सुचवू शकतात.
- कधीही न लिहिलेल्या वैद्यकीय संशोधनाचा (Medical Study) संदर्भ देऊ शकतात.

सर्वात भीतीदायक गोष्ट कोणती? तर हे सांगताना AI पूर्णपणे आत्मविश्वासाने बोलते. आपण खोटे बोलत आहोत हे त्यालाही "माहीत" नसते; ते फक्त एखाद्या वाक्यात पुढचा संभाव्य शब्द कोणता असेल, याचा अंदाज लावत असते.

चॅटबॉट्स हे 'फार्मासिस्ट' नाहीत!

एखादे औषध सुचवण्यासाठी किंवा क्लिनिकल निर्णय घेण्यासाठी चॅटबॉट वापरणे म्हणजे एका "खूप वाचलेल्या पोपटा" कडून सल्ला घेण्यासारखे आहे. त्याने जे "वाचले" आहे ते तो पुन्हा बोलू शकतो, पण त्याचे गंभीर परिणाम त्याला समजत नाहीत.

- व्यवहारी ज्ञानाचा अभाव (No Common Sense): रुग्ण किती अशक्त दिसतोय किंवा फोनवर बोलताना तो किती गोंधळलेला आहे, हे AI ला समजत नाही.
- व्यापक दृष्टीकोनाचा अभाव: चॅटबॉटला एखादा "स्टँडर्ड" डोस माहीत असू शकतो, पण समोरच्या विशिष्ट रुग्णाची जीवनशैली किंवा त्याचा वैद्यकीय इतिहास तो डोस चुकीचा ठरू शकतो, हे त्याला कळत नाही.

- जुनी माहिती (Old Data): AI ला अनेकदा एक-दोन वर्षे जुन्या माहितीवर प्रशिक्षित केलेले असते. त्यामुळे औषधांमधील नवीन बदल किंवा सुरक्षिततेच्या नवीन सूचना (Safety Warnings) त्याच्याकडून सुटू शकतात.

मानवी फायदा**:** तुमचा स्वतःचा **'**विवेक**' (Judgment)**

म्हणूनच, या प्रक्रियेत तुम्ही सर्वात महत्त्वाचा भाग आहात. AI फक्त 'डेटा' देऊ शकते, पण केवळ एक फार्मासिस्टच 'विवेक' (Judgment) वापरू शकतो. जेव्हा तुम्ही AI ने दिलेला एखादा सल्ला पाहाल, तेव्हा स्वतःला हे प्रश्न विचारा: १. माझ्या अनेक वर्षांच्या शिक्षण आणि अनुभवाच्या आधारावर हे योग्य वाटते का? २. AI ला 'भ्रम' (Hallucination) झाला आहे की खरोखर या सल्ल्यामागे काही ठोस कारण आहे? ३. माझ्या समोर उभ्या असलेल्या या माणसासाठी हा निर्णय योग्य आहे का?

AI कडे एक "हाय-स्पीड लायब्ररी" म्हणून पहा, आपला सहकाऱ्यासारखे नाही. माहिती पटकन शोधण्यासाठी त्याचा वापर जरूर करा, पण रुग्णाच्या आरोग्याचा अंतिम निर्णय कधीही मशीनवर सोडू नका. तुमची 'जाणीव' (Gut Feeling) ही तुमच्या शिक्षणावर आणि मानवी सहानुभूतीवर आधारित असते, या दोन गोष्टी संगणकाकडे कधीही नसतील.

सतर्क राहा आणि आपल्या रुग्णांना सुरक्षित ठेवा**!**

The information provided by MSPC's Drug Information Centre is for consultation purposes only. It is not a substitute for personalized medical or legal advice. Any treatments or procedures mentioned are informational resources for healthcare professionals and should be considered in light of specific circumstances and medical guidelines. Use this information is at your discretion. While every effort is made to ensure accuracy, Maharashtra State Pharmacy Counci's Drug information Centre is not responsible for any recommendations or errors. The center is not liable for any damages resulting from the use of this information. In case of any discrepancy across newsl